

प्रेषक,

ओम प्रकाश,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक
प्रशिक्षण विभाग,
हल्द्वानी (नैनीताल)।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक : 16 मई, 2016

विषय:- प्रशिक्षण विभाग हेतु वित्तीय वर्ष 2016-2017 के लेखानुदान के माध्यम से आय-व्यय हेतु प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृतियों निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-490/XXVII(1)/2016, दिनांक 31 मार्च, 2016 तथा आपके पत्र संख्या 5844/डीटीईयू/2016, दिनांक 29 अप्रैल, 2016, की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्यय में प्रशिक्षण विभाग के अनुदान संख्या-16 के अधीन अवचनबद्ध मदों में संलग्न परिशिष्ट में उल्लिखित विवरणानुसार ₹13410 हजार (रुपया एक करोड़ चौतिस लाख दस हजार मात्र,) {आयोजनागत पक्ष में ₹7874 हजार/- एवं आयोजनेत्तर पक्ष में ₹5536 हजार/-} की अधोउल्लिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 1- वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों के अन्तर्गत उपरोक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं व्यय किश्तों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के आधार पर ही किया जायेगा तथा अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि का कदापि व्यय नहीं किय जायेगा।
- 2- अधिष्ठान संबंधी अन्य अवचनबद्ध मदों की आय-व्यय के अन्तर्गत स्वीकृत बजट प्राविधान की धनराशि भी संबंधित प्रशासनिक विभाग/बजट नियंत्रक अधिकारियों द्वारा आहरण-वितरण अधिकारियों को इस प्रतिबंध के साथ उपलब्ध करा दी जायेगी कि इन मदों के अन्तर्गत आहरण एवं व्यय आवश्यकता के आधार पर ही किया जायेगा तथा अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि की कदापि व्यय नहीं की जायेगी एवं न ही अधिक व्यय भार सृजित किया जायेगा।
- 3- योजनागत पक्ष में चालू योजनाओं एवं चालू निर्माण कार्यों के लिए (आयोजनेत्तर पक्ष में निर्माण कार्यों सहित) आय-व्यय के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि प्रशासनिक विभाग/बजट नियंत्रक अधिकारी द्वारा आहरण वितरण अधिकारियों को इस प्रतिबन्ध के साथ निर्गत कर दी जायेगी कि नियमानुसार एवं वास्तविक व्यय के अनुसार ही किश्तों में धनराशि आहरित एवं व्यय की जायेगी।
- 4- केन्द्रपोषित/केन्द्रपुरोनिधानित, वाह्य सहायतित परियोजनाओं, अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेंट प्लान तथा अनुसूचित जनजाति के लिये ट्राईबल सब प्लान के अन्तर्गत बजट प्राविधान/आवंटित धनराशि किसी भी दशा में अन्य योजनाओं हेतु व्यावर्तित न किया जाय।

- 5- व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम अधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यो हेतु पूरे वर्ष के सम्भावित व्यय की फेजिंग कर कार्यदायी संस्थाओं को अवमुक्त करायेंगे तथा लक्ष्य के अनुसार भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा/अनुश्रवण किया जाना अनिवार्य रूप से आवश्यक होगा।
- 6- किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्चोरमेन्ट रूल्स 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1(वित्तीय अधिकारी प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 7- यह उल्लेखनीय है कि शासन के व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 8- अनुदानों को विभागवार एवं विभागाध्यक्षवार तैयार करने के कारण एक ही लेखाशीर्षक अनेक अनुदानों के अन्तर्गत प्रदर्शित होता है, जिसके फलस्वरूप महालेखाकार के कार्यालय में व्यय को सही लेखाशीर्षक/अनुदान के अन्तर्गत पुस्तान्कित करने में कठिनाई होती है और सुसंगत लेखाशीर्षक/अनुदान के अधीन त्रुटि रह जाने की सम्भावना बनी रहती है। इस हेतु आवश्यक है कि सभी वित्तीय स्वीकृतियों शासनादेश संख्या बी-2-2337/97 दिनांक 21 नवम्बर, 1997 के प्रारूप में सही लेखाशीर्षक इंगित करते हुये ही निर्गत की जाय, जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये, उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्य किया जाये।
- 9- विभाग में स्वीकृतियों एवं उसके सापेक्ष व्यय का रजिस्टर रखा जाय एवं प्रत्येक माह में स्वीकृति/व्यय सम्बन्धी सूचना शासनादेशों की प्रतियां सहित वित्त एवं नियोजन विभाग को उपलब्ध करायी जाय।
- 10- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल चालू स्वीकृति योजनाओं पर ही किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग नई मदों के कार्यान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के तहत ही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 11- उपनल के कार्मिकों को मानदेय/वेतन का भुगतान मानक मद-16- व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान से किया जाता है। इस संबंध में निदेशक प्रशिक्षण को निर्देशित किया जाय कि इस मद में प्राविधानित/स्वीकृत धनराशि से उपनल के कार्मिकों का वेतन आहरित कर व्यय किया जायेगा। अन्य किसी प्रकार की देयता वेतन से इतर इस मद में व्यय हेतु उत्पन्न होती है तो शासन की पूर्व अनुमति आवश्यक होगी।

- 12- आयोजनागत पक्ष में स्वीकृत धनराशि का व्यय निर्धारित परिव्यय की सीमान्तर्गत ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 13- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय, चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-16 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार के अधीन **संलग्नक परिशिष्ट-"क"** में उल्लिखित सम्बन्धित ब्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।
- 14- जिन मदों में वित्तीय वर्ष 2016-17 में लेखानुदान के माध्यम से स्वीकृत बजट के सापेक्ष धनराशि निर्गत किये जाने से पूर्व नियमानुसार उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली में उल्लिखित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए एवं जहां आवश्यकता हो वहां नियम के तहत कार्यवाही करते हुए सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त किये जाने हेतु मदों में आवश्यकता के दृष्टिगत औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया जाय।

2- यह आदेश शासनादेश संख्या 183/XXVII-I/2012 दिनांक 28.3.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में www.cts.uk.gov.in से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/अलॉटमेंट आई.डी.संलग्नक-1 के अन्तर्गत वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 490/XXVII(1)/2016, दिनांक 31 मार्च, 2016 में दिये गये निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं। उक्त शासनादेश में उल्लिखित बिन्दुओं/दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए तदनुसार ही कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।

संलग्नक: यथोपरि

भवदीय,

(ओम प्रकाश)
प्रमुख सचिव।

संख्या :- 25/ /XLI-1/16-21(प्रशि0)/2016 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1 महालेखाकार, उत्तराखण्ड ऑबेरॉय बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
- 2 आयुक्त गढ़वाल एवं कुमाऊँ मण्डल उत्तराखण्ड।
- 3 निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 4 समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
- 5 मुख्य वित्त अधिकारी, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, हल्द्वानी-नैनीताल।
- 6 वित्त(व्यय नियंत्रक) अनुभाग-5/नियोजन अनुभाग उत्तराखण्ड शासन।
- 7 राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर देहरादून
- 8 बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9 गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अनूप कुमार मिश्रा)
अनु सचिव।

शासनादेश संख्या:- 251 / XLI-1 / 16-21(प्रशि0) / 2016, दिनांक : 16 मई, 2016 का परिशिष्ट-क

1). तालिका -1

राजस्व लेखा

अनुदान संख्या:-16

(धनराशि रुपये हजार में)

लेखाशीर्षक / मानक मद	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
2230- श्रम तथा रोजगार		
03- प्रशिक्षण		
001- निदेशन तथा प्रशासन		
01- प्रशिक्षण एवं रोजगार संबंधी अधिष्ठान		
12- कार्यालय फर्नीचर उपकरण		17
25- लघु निर्माण		33
26- मशीनें एवं साज-सज्जा		17
29- अनुरक्षण		8
42- अन्य व्यय		10
46- कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का कय		17
योग		102

2). तालिका -2

राजस्व लेखा

अनुदान संख्या:-16

(धनराशि रुपये हजार में)

लेखाशीर्षक / मानक मद	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
2230- श्रम तथा रोजगार		
03- प्रशिक्षण		
003- निदेशन तथा प्रशासन		
03- प्रशिक्षण एवं रोजगार संबंधी अधिष्ठान		
12- कार्यालय फर्नीचर उपकरण		200
25- लघु निर्माण		67
29- अनुरक्षण		67
31- समग्री और सम्पूर्ति		33
42- अन्य व्यय		5000
46- कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का कय		67
योग		5434

3). तालिका -3

राजस्व लेखा

अनुदान संख्या:-16

(धनराशि रुपये हजार में)

लेखाशीर्षक / मानक मद	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
2230- श्रम तथा रोजगार		
03- प्रशिक्षण		
003- निदेशन तथा प्रशासन		
03- प्रशिक्षण एवं रोजगार संबंधी अधिष्ठान		
12- कार्यालय फर्नीचर उपकरण	233	
26- मशीनें एवं साज-सज्जा	4000	
29- अनुरक्षण	67	
42- अन्य व्यय	1000	
46- कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का कय	83	
योग	5383	

4). तालिका -4
राजस्व लेखा

अनुदान संख्या:-16

(धनराशि रुपये हजार में)

लेखा शीर्षक/मानक मद	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
2230- श्रम तथा रोजगार		
03- प्रशिक्षण		
003- दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण		
01- केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनायें		
0101- योजना आधुनिकीकरण एवं सुदृढीकरण (75 प्रतिशत के0यो0)		
12- कार्यालय फर्नीचर उपकरण	10	.
26- मशीनें एवं साज-सज्जा	333	.
42- अन्य व्यय	167	.
46- कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का कय	17	.
योग	527	

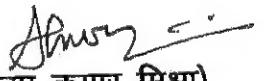
5). तालिका - 5
राजस्व लेखा

अनुदान संख्या:-16

(धनराशि रुपये हजार में)

लेखाशीर्षक/मानक मद	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
2230- श्रम तथा रोजगार		
03- प्रशिक्षण		
003- दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण		
07-		
25- लघु निर्माण	297	.
26- मशीनें एवं साज-सज्जा	1667	.
योग	1964	

आयोजनेत्तर - 5536(रुपया पचपन लाख छत्तीस हजार मात्र.)
आयोजनागत - 7874(रुपया अट्ठहत्तर लाख चौहत्तर हजार मात्र.)
कुल योग :- 13410(रुपया एक करोड़ चौत्तिस लाख दस हजार मात्र.)


(अनूप कुमार मिश्रा)
अनुसचिव।